Seventeenth Loksabha

>

Title: Request to establish a skill development centre is Jaunpur Village, Delhi.

श्री रमेश बिधूड़ी (दक्षिण दिल्ली): अध्यक्ष जी, आपने मुझे कौशल विकास से जुड़े बहुत ही सेंसेटिव मुद्दे पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं।

अध्यक्ष जी, मैं सदन का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं कि सिंगापुर सरकार के सहयोग से दक्षिणी दिल्ली के जौनापुर गांव में एक विश्वस्तरीय कौशल केंद्र बनाने के लिए मंजूरी दिल्ली सरकार ने दी थी । दिल्ली सरकार द्वारा 2 जुलाई, 2012 में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इसे मंजूरी दी गई । इस संदर्भ में दोनों देशों के प्रधान मंत्री की गरिमामय उपस्थिति में तकनीकी शिक्षा संस्थान, सिंगापुर सरकार के साथ दिनांक 11 जुलाई, 2012 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी हुए । तत्पश्चात दोनों देशों के सम्बन्धित संस्थानों व तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा 3 वर्ष की समयावधि वाला एक समझौता हस्ताक्षरित किया गया ।

अध्यक्ष जी, गांव जौनापुर की ग्राम सभा की 31 एकड़ जमीन प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा विभाग को 12 अगस्त, 2012 को आबंटित भी कर दी गई । इसका कब्जा 18 सितम्बर, 2012 को राजस्व एवं तकनीकी शिक्षा विभाग ने पीडब्ल्यूडी को सौंप दिया । 24 दिसम्बर, 2014 को शहरी विकास मंत्री ने भूमि के भू प्रयोग परिवर्तन, स्टैटस ऑफ लैंड यूज ट्रांसफर सम्बंधित अधिसूचना जारी कर दी । उस टाइम राष्ट्रपति शासन था और एलजी दिल्ली को चला रहे थे । आम आदमी पार्टी की सरकार रिजाइन देकर बाहर चली गई थी । इसके बाद जब आम आदमी पार्टी की सरकार दोबारा आई तो 30.28 करोड़ रुपये ग्राम सभा जौनापुर के खाते में जमा करा दिए गए थे । उसके बाद मार्च, 2015 में माननीय उप मुख्यमंत्री दिल्ली ने परियोजना की चार दीवारी निर्माण हेतु 2.74 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान कर दी । परियोजना के भवन निर्माण के लिए दिसम्बर,

2017 में 254 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए, लेकिन इस पैसे को दिल्ली सरकार ने नामंजूर कर दिया कि हमारे पास पैसा नहीं है । यह पैसा दिल्ली के युवाओं के कौशल विकास के लिए अति महत्वपूर्ण है । अब दिल्ली सरकार यह बोलकर टाल रही है कि हमारे पास पैसा नहीं है, जबकि वे करोड़ों रुपये दिल्ली में ऐड में बर्बाद कर रहे हैं । यहां पर राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोग शोर कर रहे थे कि कौशल विकास केंद्र के युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है । दिल्ली के मुख्यमंत्री दिल्ली के युवाओं के साथ इस प्रकार का ...* चरित्र अपनाकर उनके अधिकारों को छीन रहे हैं । पंजाब, उत्तरांचल में जाकर वे कह रहे हैं कि सरकार बनाने के बाद एक हजार रुपये पेंशन दूंगा । दिल्ली के अंदर विधवाओं को पिछले तीन साल से पेंशन नहीं दी जा रही है । मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि इस कौशल विकास केंद्र की मंजूरी के लिए संबंधित कौशल विकास मंत्री या भारत सरकार की तरफ से वहां पर उनका संज्ञान लिया जाए । आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : श्री धनुष एम. कुमार।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री मनोज कोटक ।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : कुंवर दानिश अली जी।